



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 531]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 8, 2000/श्रावण 17, 1922

No. 531]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 8, 2000/SRAVANA 17, 1922

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 8 अगस्त, 2000

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(डिबेंचर न्यासी) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000

का.आ. 743 (अ).— भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है अर्थात् :-

- I. (i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000 कहा जा सकेगा ।
- (ii) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

II. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993 (इसमें इसके पश्चात् “विनियमों” के रूप में निर्दिष्ट) में

1) विनियम 2 में,

(क) विद्यमान खंड (क) को खंड (कक) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जायेगा ।

(ख) निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(क) डिबेंचर न्यासी, या निगमित निकाय के संबंध में ‘सहयुक्त’ के अन्तर्गत वह व्यक्ति होगा, -

- (i) जो, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, स्वयं उसके द्वारा, या नातेदारों के साथ, यथास्थिति, डिबेंचर न्यासी या निगमित निकाय पर नियंत्रण प्रयुक्त करता है, या
- (ii) जिसकी बाबत डिबेंचर न्यासी या निगमित निकाय, यथास्थिति, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, स्वयं इसके द्वारा, या अन्य व्यक्तियों के साथ, नियंत्रण प्रयुक्त करता है, या
- (iii) जिसका निदेशक, यथास्थिति, डिबेंचर न्यासी या निगमित निकाय का, भी निदेशक है ;

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिये, पद ‘नियंत्रण’ का भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के विनियम 2 के खंड (ग) के अधीन यथा परिभाषित वही अर्थ होगा ।”

2) विनियम 13 में, खंड (क) और (ख) निम्नलिखित खंडों द्वारा प्रतिस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :-

“(क) वह डिबेंचरों के निर्गम के लिये अभिदान सूची के खुलने के पूर्व निगमित निकाय के साथ लिखित करार करता है ;

(ख) खंड (क) के अधीन करार में अन्य बातों के साथ निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा :

- (i) कि डिबेंचर न्यासी ने निगमित निकाय के लिये डिबेंचरों के निर्गम को प्राप्त करने के लिये न्यास विलेख के अधीन ऐसी हैसियत से कार्य करने का करार किया है ।
- (ii) समय सीमा जिसके भीतर डिबेंचरों के लिये प्रतिभूति सृजित की जायेगी ।”

3) विनियम 13 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“डिबेंचर न्यासी का सहयुक्त के लिए कार्य न करना

13क. कोई डिबेंचर न्यासी डिबेंचरों के किसी निर्गम के लिये ऐसी हैसियत से कार्य नहीं करेगा यदि -

- क) यह निगमित निकाय का सहयुक्त है या
- ख) इसने निगमित निकाय को धन उधार दिया है या देने का प्रस्ताव कर रहा है।

परंतु यह कि इन विनियमों के प्रारंभ के पूर्विक निर्गमित डिबेंचरों की बाबत, ऐसे निर्गम के लिये डिबेंचर न्यासी इन विनियमों के प्रारंभ से दो वर्षों के भीतर इस विनियम का भी अनुपालन करेगा ।”

4) विनियम 15 में, उप-विनियम (1) में,

(क) खंड (छ) में, विद्यमान उप-खंड (i) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :

“(i) यदि जहाँ आबंटन पत्र जारी किया गया है और डिबेंचर प्रमाणपत्र प्रभार रजिस्ट्रीकरण के पश्चात् जारी किया जाता है, डिबेंचर प्रमाणपत्र निगमित निकाय द्वारा डिबेंचर धारकों को कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रभार रजिस्ट्रीकरण के 30 दिनों के भीतर प्रेषित कर दिये गये हैं ।”

(ख) खंड (ठ) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-खंड अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :-

“(ड) निम्नलिखित की दशा में निगमित निकाय के बोर्ड में नामनिर्देशिती निदेशक नियुक्त करे ;

- i) डिबेंचर धारकों को ब्याज के संदाय में दो क्रमवर्ती व्यतिक्रमों ; या
- ii) डिबेंचरों के लिये प्रतिभूति के सृजन में व्यतिक्रम ; या
- iii) डिबेंचरों के मोचन में व्यतिक्रम ।

(ढ) डिबेंचर धारकों को अर्ध वार्षिक आधार पर निगमित निकाय द्वारा निर्गम के निबंधनों का अनुपालन, ब्याज के संदाय या डिबेंचरों के मोचन में व्यतिक्रम, यदि कोई हों, और उसके लिये की गयी कार्रवाई संसूचित करे ।”

5) अनुसूची IV में, खंड (ख) के लिये, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जायेगा :

“(ख) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धांत, 2000 में यथा विनिर्दिष्ट डिबेंचरों के निर्गम के लिये प्रतिभूति के सृजन के लिये समय सीमा ।”

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/12551/2000]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) विनियम, 1993, मूल विनियम, सं. सेबी/एलई/12/93, 29 दिसम्बर, 1993 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था ।
2. यह तत्पश्चात् -
 - (क) 28 नवंबर, 1995 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (फीस का संदाय) (संशोधन) विनियम, 1995 का.आ. सं. 939 (अ) द्वारा
 - (ख) 5 जनवरी, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) (संशोधन) विनियम, 1998 का.आ. सं. 16 (अ) द्वारा
 - (ग) 30 सितम्बर, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) (संशोधन) विनियम, 1999 का.आ. सं. 795 (अ) द्वारा
 - (घ) 17 फरवरी, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिबेंचर न्यासी) (संशोधन) विनियम, 2000 का.आ. सं. 135 (अ) द्वारा
 - (ङ) 28 मई, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000 का.आ. सं. 278 (अ) द्वारा

संशोधित हुआ था ।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 8th August, 2000

Securities and Exchange Board of India (Debenture
Trustees) (Second Amendment) Regulations, 2000

S.O. 743(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations namely:-

I (i) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) (Second Amendment) Regulations, 2000.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

II In Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993 (hereinafter referred to as "regulations")

1) In regulation 2,

(a) the existing clause (a) shall be renumbered as clause (aa).

(b) the following clause shall be inserted, namely:-

“(a) 'associate' in relation to a debenture trustee, or body corporate shall include a person, -

- (i) who, directly or indirectly, by himself, or in combination with relatives, exercises control over the debenture trustee or the body corporate, as the case may be, or
- (ii) in respect of whom the debenture trustee or the body corporate, as the case may be, directly or indirectly, by itself, or in combination with other persons, exercises control, or
- (iii) whose director, is also a director, of the debenture trustee or the body corporate, as the case may be;

2197 GI/2000 -2

Explanation: For the purpose of this regulation, the expression 'control' shall have the same meaning as defined under clause (c) of Regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997."

- 2) In Regulation 13, clauses (a) and (b) shall be substituted by the following clauses, namely:-

"(a) he enters into a written agreement with the body corporate before the opening of the subscription list for issue of debentures;

(b) the agreement under clause (a) shall inter-alia contain:

- (i) that the debenture trustee has agreed to act as such under the trust deed for securing an issue of debentures for the body corporate;
- (ii) the time limit within which the security for the debentures shall be created."

- 3) After regulation 13, the following regulation shall be inserted, namely:-

"Debenture Trustee not to act for an associate

13A. No debenture trustee shall act as such for any issue of debentures in case-

- a) it is an associate of the body corporate or
- b) it has lent or is proposing to lend money to the body corporate.

Provided that in respect of debentures issued prior to the commencement of these Regulations, the debenture trustee for such issue shall also comply with this regulation within two years from the commencement of these Regulations."

- 4) In regulation 15, in sub-regulation (1),

- (a) in clause (g), the existing sub-clause (i) shall be substituted by the following, namely:

"(i) in case where the allotment letter has been issued and debenture certificate is to be issued after registration of charge, the debenture certificates have been despatched by the body corporate to the debenture holders within 30 days of the registration of the charge with Registrar of Companies."

- (b) after clause (l), the following sub-clauses shall be inserted, namely:-

"(m) appoint a nominee director on the Board of the body corporate in the event of;

- i) two consecutive defaults in payment of interest to the debenture holders; or
- ii) default in creation of security for debentures; or
- iii) default in redemption of debentures.

(n) communicate to the debenture holders on half yearly basis the compliance of the terms of the issue by the body corporate, defaults, if any, in payment of interest or redemption of debentures and action taken therefor".

5) In Schedule IV, for clause (b), the following clause shall be substituted:

"(b) time limit for creation of the security for issue of debentures as specified in Securities and Exchange Board of India (Disclosures and Investor Protection) Guidelines, 2000."

[F. No. SEBI/LE/12551/2000]

D. R. MEHTA, Chairman

Footnote :

1. Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) Regulations, 1993, the principal regulation, was published in the Gazette of India on December 29, 1993, vide No. SEBI/LE/12/93.
2. It was subsequently amended -
 - (a) on November 28, 1995 by the Securities and Exchange Board of India (Payment of Fees) (Amendment) Regulations, 1995 vide S.O. No. 939 (E).
 - (b) on January 5, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) (Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No. 16 (E).
 - (c) on September 30, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) (Amendment) Regulations, 1999 vide S.O. No. 795(E).
 - (d) on February 17, 2000 by Securities and Exchange Board of India (Debenture Trustees) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.135(E).
 - (e) on May 28, 2000 by Securities and Exchange Board of India (Appeal to Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No. 278(E).

